प्रधानमंत्री द्वारा संस्कृति मंत्रालय के कार्यकलाप की समीक्षा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सदियों से पर्यावरण संरक्षण में भारत किस प्रकार से योगदान देता रहा है उससे संबंधित प्रस्तुतिकरण सामग्री के केन्द्रित विकास की वर्तमान में आवश्यकता बताई। उन्होंने संस्कृति मंत्रालय के कार्यकलापों की समीक्षा करते हुए कहा कि मंत्रालय को इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभानी है और अगर यह काम समय पर पूरा हो गया तो इसे साल के अंत में पेरिस में होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन-कॉप -21 के दौरान प्रस्तुत किया जा सकता है। भारत को विश्व में यह दिखाना चाहिए कि वह पर्यावरण संरक्षण के कार्य में सदैव आगे रहा है।

प्रधानमंत्री ने संस्कृति मंत्रालय से कहा कि उसे विशेष थीम पर आधारित सामग्री को व्यापक स्तर पर एकत्रित और प्रदर्शित करने पर जोर देना चाहिए। उदाहरण के लिए, उन्होंने सदियों से देश भर में विभिन्न जल संरक्षण और संरक्षण व्यवहारों से जुड़े केन्द्रित प्रयास करने का सुझाव दिया।

श्री नरेन्द्र मोदी को संग्रहालय क्षेत्र में वर्तमान में हो रहे क्षमता विकास कार्यों के बारे में भी अवगत कराया गया। प्रधानमंत्री ने मंत्रालय को संग्रहालय विकास और बड़े पैमाने पर उच्च गुणवत्ता वाले 'आभासी संग्रहालय' विकास की दिशा में कार्य करने के लिए कहा। विशेषकर, प्रधानमंत्री ने लोथल में एक विश्व स्तरीय सामुद्रिक संग्रहालय स्थापित करने की आवश्यकता बताई।

प्रधानमंत्री ने मंत्रालय को कुशल मानवशक्ति की जरूरत की व्यापक रूप-रेखा तैयार करने तथा कौशल विकास मंत्रालय के सहयोग के साथ इस आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने कहाकि वाराणसी जैसे विरासत स्थलों और शहरों में मंत्रालय द्वारा स्थापित किए जा रहे व्याख्या केन्द्रों को एक ऐसे केन्द्र के रूप में भी कार्य करना चाहिए जो संगीत और संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों और युवाओं में रूचि पैदा कर सके और भावी पीढ़ी को प्रेरित कर सके। प्रधानमंत्री ने पर्यटकों को सांस्कृतिक विरासत के बारे में अवगत कराने की प्रक्रिया में वरिष्ठ नागरिकों को शामिल करने की भी आवश्यकता बताई। उन्होंने टेलीविजन पर प्रसारित एक राष्ट्र स्तरीय ''प्रतिभा खोज'' कार्यक्रम का सुझाव भी दिया जो देश भर में प्रमुख पर्यटक स्थलों के लिए उच्च दक्षता वाले पर्यटक गाइडों की अगली पीढ़ी को तैयार कर सकें।

इस समीक्षा के दौरान संस्कृति राज्य मंत्री डॉ. महेश शर्मा और संस्कृति मंत्रालय तथा पीएमओ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

*****

एमवी

24.04.2015